Dr.Uttam Kumar
SRAP College,Barachakia
Mob no-8210561032

Faculty -Commerce
Subject -Business Organisation
Class -2nd Semester
Session-2023-27

7

साझेद
[PARTNERSH

(सीमित देयता साझेदारी अधिनियम, 2008 के प्रावधानों सहि
(Including Provisions of Limited Liab Partnership Act, 200

साझेदारी का उद्गम अथवा प्रादुर्भाव
(ORIGIN OF PARTNERSHIP)

"**आवश्यकता आविष्कार की जननी है।**" इस लोकोक्ति के अनुरूप साझेदारी संगठन का उद्गम एकाकी स्वा के दोषों को दूर करने के लिए हुआ। दूसरे शब्दों में, अधिक पूँजी, अधिक नियन्त्रण, अधिक विशिष्टीकरण तथा श्रम-वि की आवश्यकता ने साझेदारी व्यवसाय को जन्म दिया। यदि सही प्रकार से मनन करें तो यह ज्ञात होगा कि **साझेदारी विवे साधनों का केन्द्रीकरण है।** कहीं पर पूँजी का अभाव है तो कहीं पर प्रतिभा का अभाव, कहीं पर संगठन की योग्यता अभाव है तो कहीं पर व्यापारिक कुशलता का अभाव और यदि कहीं पर प्रतिभा आदि गुण हैं तो कहीं पर पूँजी के अ होने की विषम एवं विकट चिन्ता है। ऐसी विस्फोटक स्थिति में सद्विश्वास एवं सहृदयता की भावना से पूँजी, श्रम व्यावसायिक योग्यता का समन्वय करने पर साझेदारी की उत्पत्ति होती है। **श्री मैकनाटन** के अनुसार, "पूरक योग्यताओं लाभ उठाने तथा अधिक पूँजी एकत्र करने की इच्छा से व्यवसायी साझेदारी का निर्माण करते हैं।"[1]

विद्वानों के मतानुसार साझेदारी का उद्गम सर्वप्रथम रोम में हुआ। रोमन काल में वहाँ के लोगों ने सर्वप्रथम पैतृक स (Inherited Estate) की व्यवस्था करने के लिए परिवार के समूह का संगठन बनाया जिसको 'Socitas' कहा गया। वाणिज्यिक ओवेन (Owen) के कथनानुसार, "साझेदारी बहुत प्राचीन समय से ही विद्यमान थी। प्राचीन काल में इसका भारत, बेबीलोन, ग्रीस तथा रोम सहित अनेक देशों में विभिन्न प्रकार से अलग-अलग उद्गम एवं विकास हुआ।" **आर. स्प्रीगल** के शब्दों में, "सामान्य साझेदारी से प्राचीन मिस्रवासी, फोनीसीयन्स, ग्रीकवासी तथा रोमवासी भी थे।"[2] इंग्लैण्ड में साझेदारी उद्गम सन् 1248 में ही हो चुका था किन्तु यह साझेदारी अविकसित अवस्था में ही थी। विद्वानों का यही मत है कि आधुनिक प्रकार की साझेदारी का उद्गम सर्वप्रथम इटली में हुआ था।

साझेदारी का अर्थ एवं परिभाषाएँ